21

वैज्ञानिकों का चयन और मूल्यांकन

कृषि वैज्ञानिक नियुक्ति मंडल (एएसआरबी) भाकृअनुप का वैज्ञानिकों की भर्ती करने के लिए एक स्वतंत्र निकाय है। चयन और मूल्यांकन की इस प्रणाली को ओजस्वी बनाए रखने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बोर्ड ने 275 पदों का सीधे चयन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस)—राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नैट) 2009 के लिए 38 विषयों को सम्मिलित किया गया। बोर्ड एआरएस/नैट-परीक्षा के लिए ऑन-लाइन परीक्षा की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। बोर्ड के कार्यक्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण यहां दिया जा रहा है। 2008-09 के दौरान एआरएस परीक्षा में बोर्ड द्वारा हुई प्रगति और अन्य क्रियाकलापों की जानकारी भी नीचे दी जा रही है।

एआरएस/नैट परीक्षा

अप्रैल 2009 में बोर्ड द्वारा एआरएस/नैट परीक्षा का 33 केन्द्रों पर आयोजन किया गया। परीक्षा के लिए 21,086 अभ्यार्थियों ने आवेदन किया, जिसमें से कुल 12,403 (59%) उम्मीदवार ही परीक्षा में बैठे। केवल 2,623 अभ्यर्थियों ने नैट परीक्षा में सफलता प्राप्त की। नैट परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का अनुपात केवल 1:5 ही रहा।

भाकृअनुप में संस्थानों के वैज्ञानिक स्तर के रिक्त पदों के लिए एआरएस परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 283

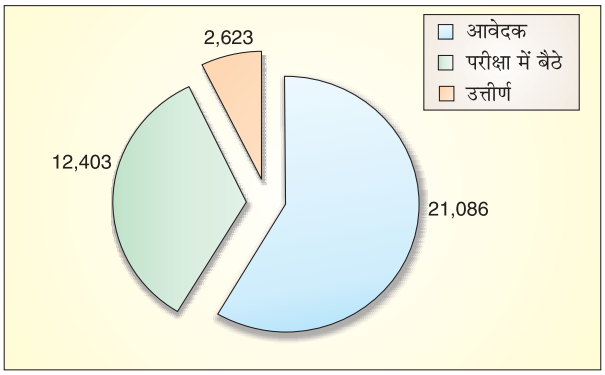

नेट परीक्षा - 2009 का विवरण

विज्ञापित रिक्तियों के लिए कुल 952 उम्मीदवारों ने प्रस्तावित स्तर से अधिक अंक प्राप्त किए। उन्हें एआरएस परीक्षा के साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। जिसमें से सिर्फ 249 पदों को ही भरा गया और एआरएस परीक्षा का सफल अनुपात 1:22 रहा। कैमिकल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रोनिक्स और इन्स्ट्रूमैंटेशन विषयों में एक भी उम्मीदवार सफल नहीं हुआ। एआरएस के परिणामों के विश्लेषण के आधार पर कुछ निष्कर्ष दिये जा रहे हैं:-

- 2008-09 के दौरान देखा गया कि कृषि अनुसंधान की ओर महिला उम्मीदवारों का आकर्षण बढ़ा है और उनकी संख्या में वृद्धि हुई है। 249 चयनित उम्मीदवारों में से 20% महिला उम्मीदवार थीं।
- देखा गया कि चयनित उम्मीदवारों में से 12% पीएचडी थे और लगभग उतने ही उम्मीदवार अस्थायी/स्थायी पदों पर अन्य विभागों में कार्य का अनुभव रखते थे।
- ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों ने सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों से अच्छा प्रदर्शन किया और सामान्य वर्ग की 28 सीटों के लिए भी उनका चयन किया गया। अनुसूचित जाति के अभ्यार्थियों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन करके सामान्य वर्ग की एक सीट प्राप्त की।
- राज्यवार वितरण बड़ा विषम था, समीक्षा करने पर पता चला कि एआरएस वैज्ञानिकों के 87% पद केवल दस राज्यों में ही हैं। ये राज्य हैं—क्रमशः तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, केरल, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और उड़ीसा। जबकि सफल उम्मीदवारों की सूची में गुजरात, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व बहुत कम था।
- इसी प्रकार सर्वोच्च स्तर के दस राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों के 74% अभ्यर्थी सफल रहे, इसमें मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों का हिस्सा 37% रहा। सफल उम्मीदवारों में से 47% एआरएस परीक्षा में पहली बार बैठे थे।

आमतौर पर बोर्ड प्रत्येक रिक्त पद के लिए पांच अभ्यर्थी का ही साक्षात्कार करता है या उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाता है, लेकिन आलोच्य वर्ष में लिखित परीक्षा को उत्तीर्ण करने वाले

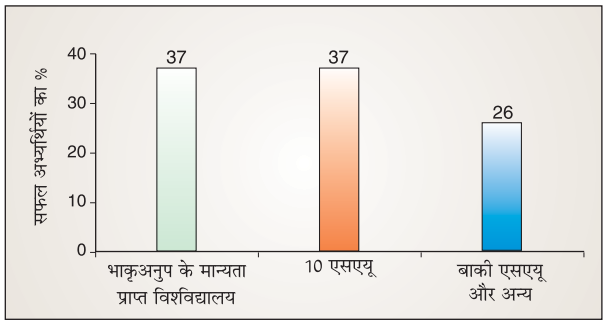

एआरएस परीक्षा (2007-2008) में संगठन-वार प्रदर्शन

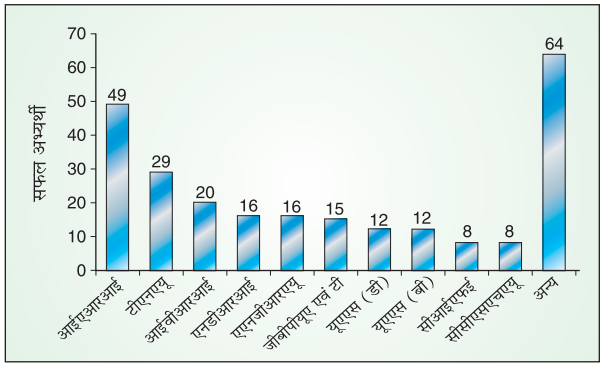

चित्र 3. एआरएस परीक्षा (2007-2008) में दस सर्वोच्च स्तर के एसएयू/मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों का प्रदर्शन

अभ्यर्थियों की संख्या लक्ष्य से बहुत कम थी। कृषि-भौतिकी के विषय में रिक्त पदों की और जिन अभ्यर्थियों ने लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की, उनकी संख्या लगभग बराबर थी, जबकि कृषि-सांख्यिकी में तो रिक्त पदों की संख्या से कम अभ्यर्थी ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाए। सफल महिला अभ्यर्थियों की संख्या 50 थी।

ऑडिट और एकाउंट विभागों की सीमित विभागीय परीक्षा 2008

नवंबर 2008 में बोर्ड ने लेखा-परीक्षा और लेखा विभागों के कर्मियों के लिए 11 केन्द्रों पर सीमित विभागीय परीक्षा आयोजित की, जिसमें 195 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। केवल छह अभ्यर्थियों ने ऑडिट और एकाउंट परीक्षा उत्तीर्ण की और 114 अभ्यर्थी 1-4 प्रश्नपत्रों में पास हुए। भविष्य में जब भी कोई परीक्षा होगी तो इन अभ्यर्थियों को ये प्रश्न-पत्र नहीं देने होंगे, जिनमें वे पहले ही उत्तीर्ण घोषित किये जा चुके हैं।

सीधी भर्ती

बोर्ड ने समीक्षित वर्ष में 275 पदों की भर्ती-प्रक्रिया पूरी की, जिनके लिए 3,500 आवेदन प्राप्त हुए थे। पात्रता-परीक्षा के बाद साक्षात्कार के लिए 1,515 अभ्यर्थी बुलाए गये, जिनमें से केवल 1,045 उम्मीदवार साक्षात्कार देने आए। इन रिक्तियों में अनुसंधान-प्रबंधन-श्रेणी (आरएमपी) के 18 पद थे, 45 पद मध्य स्तर के कादर (विभागाध्यक्ष, संयुक्त निदेशक और प्रायोजना-समन्वयकर्ता) के थे और शेष पद वरिष्ठ/प्रमुख वैज्ञानिक श्रेणी के थे। 201 मामलों में बोर्ड ने सकारात्मक अनुशंसा की और शेष पदों के लिए कोई भी अभ्यर्थी योग्य नहीं पाया गया।

प्रति रिक्त पद के लिए औसतन 3.8 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए, इसलिए प्रतियोगिता बहुत कठिन नहीं थी, लेकिन उपलब्ध अभ्यर्थियों का अंतरा-श्रेणी विवरण बड़ा विषय था। प्रमुख वैज्ञानिकों के पदों के लिए अभ्यर्थियों की उपलब्धता

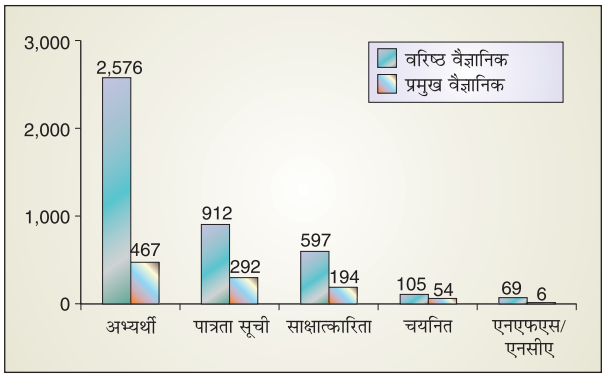

प्रमुख वैज्ञानिक/वरिष्ठ वैज्ञानिकों के पदों पर भर्ती का विवरण
(एनएफएस-कोई उपयुक्त नहीं, एनसीए - कोई अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं)

वे पद जिनके लिए बोर्ड ने भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली

पदों के नाम	पदों की संख्या	आवेदन पत्रों की सं	साक्षात्कार के लिए बुलाये गए अभ्यर्थी	अभ्यर्थी जिनका साक्षात्कार किया गया	चयनित अभ्यार्थी	एनएसएफ/ एनसीए*
उपमहानिदेशक	1	17	13	10	1	0
सहायक महानिदेशक	4	78	30	20	4	0
राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक	3	86	41	34	3	0
निदेशक	9	129	68	49	8	1
प्रायोजना निदेशक	2	44	23	17	2	0
राष्ट्रीय संस्थान के संयुक्त निदेशक	1	6	5	4	1	0
संयुक्त निदेशक	1	8	5	4	1	0
विभागाध्यक्ष	41	396	253	174	36	5
प्रायोजना समन्वयकर्ता	3	45	34	22	3	0
प्रमुख वैज्ञानिक	49	371	232	152	43	6
वरिष्ठ वैज्ञानिक	161	2,387	811	559	99	62
	275	3,567	1,525	1,045	201	74

*एनएफएस - कोई योग्य नहीं पाया गया; एनसीए - कोई अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं था

बहुत कम थी और केवल 1-2 पात्र-अभ्यर्थियों के आधार पर ही 33% पदों पर चयन किया गया। इससे प्रतीत होता है कि सीनियर साइंटिस्टों/एसोसिएट प्रोफेसरों की श्रेणी के वैज्ञानिक ही प्रिंसिपल साइंटिस्ट श्रेणी के पदों के लिए पात्र होते हैं और उनकी बेहद कमी है। सीनियर साइंटिस्टों के पदों की अहर्ता में ढील देने के बावजूद 30% पद नहीं भरे जा सके, क्योंकि उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हो पाए।

सूचना के अधिकार का अधिनियम 2005

आलोच्य वर्ष में बोर्ड के पास 47 मामले आए, जो कि मुख्य रूप से एएसआरबी की भूमिका के बारे में थे, जैसे कि विशेषज्ञों के नाम बताना, परीक्षा और साक्षात्कार के प्राप्तांक, प्रत्यक्ष भर्ती की पात्रता, परीक्षा की प्रणाली तथा एआरएस/नैट परीक्षा में आवेदन-पत्रों और प्राप्तांकों की फोटो-कॉपी। 47 अभ्यर्थियों में से केवल चार ने एएसआरबी के निर्णय के विरुद्ध केन्द्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में अपील दाखिल की। सभी मामले, सभी संबंधितों को संतुष्ट करते हुए निपटाये गये।

सुधार

जोनल कोओर्डीनेटर और प्रोजेक्ट कोओर्डीनेटर की श्रेणी के वैज्ञानिकों के मूल्यांकन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत निश्चित करने के लिए बोर्ड ने एक समिति का गठन किया। बोर्ड नेट/एआरएस परीक्षा को आनलाइन करने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

वरिष्ठ वैज्ञानिकों के पदों पर भर्ती के लिए निर्धारित योग्यताओं की वैकल्पिक अहर्ता को सुधारा गया है। अब उम्मीदवारों के न्यूनतम केवल दो शोध-पत्र एनएएएस द्वारा निश्चित श्रेणी या उससे ऊपर के होने चाहिए और या तो डाक्टरेट के बाद के अनुसंधान से या फिर उसके बाद के किसी भी नियमित पद पर कार्य से अनुवर्ती होने चाहिए। ❑